अध्याय 25

नकदी विहीन लेन–देन

(Cashless Transaction)

अवधारणा :

21वीं सदी में तेजी से बदलते परिवेश में अनेक देशों की अर्थव्यवस्था विकासशील स्तर से विकसित स्थिति की ओर अग्रसर है। परिणाम स्वरूप अर्थव्यवस्था में आर्थिक लेन–देनों में व्यापक रूप से मुद्रा का नकद रूप में प्रयोग होता है। ऐसे में देश में नकद सौदों के लिए नकद मुद्रा का प्रचलन बढ़ता है, एवं मुद्रा की मांग में अत्यधिक वृद्धि होती है। अर्थव्यवस्था में केन्द्रीय बैंक के कार्यभार में वृद्धि होती है। नोट छपाई, निर्गमन से लेकर प्रचलन तक में बैंक को बहुत अधिक लागत वहन करनी पड़ती है। अतः में विकासशील देशों में अर्थव्यवस्था में सरकार नकदी विहीन लेन–देन (Cashless Transaction) को बढ़ावा देने के लिए लोगों को प्रेरित करने लगी है।

इस प्रकार विश्व की दस बड़ी अर्थव्यवस्था में से एक भारतीय अर्थव्यवस्था को भी इस प्रकार की समस्या का सामना वर्तमान में करना पड़ रहा है। सौ करोड़ से ऊपर आबादी वाले इस देश में भौगोलिक विषमता और विशाल क्षेत्रफल में आर्थिक लेन–देन के लिए मुद्रा को नकद के रूप में यहाँ–वहाँ पहुँचाना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। अतः भारत जैसे देश की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था में नकदी विहीन लेन–देन को बढ़ावा देने की जरूरत विद्वानों द्वारा बताई जाने लगी है। यहाँ तक कि स्वयं सरकार इस हेतु लोगों में जागरूकता लाकर इस ओर बढ़ने का सार्थक प्रयास करती नजर आ रही है।

भारत में ई–कॉमर्स का प्रयोग एक दशक पूर्व से किया जा रहा है। ई–कॉमर्स या ई–व्यवसाय व्यापार की एक उन्नत और नवीन तकनीक है, जिसमें इंटरनेट के माध्यम से व्यापार का संचालन किया जाता है। इसके अंतर्गत उपभोक्ता न केवल वस्तु एवं सेवा घर बैठे खरीद सकता है बल्कि एक विक्रेता भी अपने सभी प्रकार के उत्पाद दुनिया भर में कहीं भी बेच सकता है। इसमें व्यापारी अपने ग्राहकों से अपने उत्पाद के बारे में प्रतिक्रिया भी प्राप्त कर सकते हैं। बुनियादी ढाँचे, उपभोक्ता और मूल्य वर्धित प्रकार के व्यापारों के लिए इण्टरनेट कई अवसर प्रस्तुत करता है। वर्तमान में कम्प्यूटर, दूरसंचार और केवल टेलिवीजन व्यवसायों में बड़े पैमानों पर उपयोग किए जा रहे हैं। सन् 1990 से ही वाणिज्यिक फर्मों ने अपने उत्पादों के विज्ञापन और बिक्री बढ़ाने के लिए इण्टरनेट का उपयोग करना प्रारम्भ कर दिया था। ऑनलाइन शॉपिंग नेटवर्क वाणिज्यिक गतिविधियों का एक बड़ा भाग बन चुका है। इक्कीसवीं सदी में ऑनलाइन व्यापारों के लिए असीम अवसर और प्रतिस्पर्धा का वातावरण प्रदान किया जा रहा है।

अर्थ–

नकदी विहीन लेन–देन से ही इस शब्द का सरल अर्थ लगाया जा सकता है अर्थात बिना नकद के आर्थिक लेन–देन। इस प्रकार का लेन–देन क्रेता एवं विक्रेता वस्तु एवं सेवाओं को बदले गैर नकद अथवा नकद रहित रूप में करते हैं। यह अनेक बैंक खातों में राशि के स्थानांतरण से संभव होता है। यह लेन–देन क्रेडिट कार्ड, एटीएम कम डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग तथा चैक आदि के द्वारा भी किया जा सकता है। यह ई–कॉमर्स का ही एक माध्यम कहा जा सकता है, जो कि भारत में लगभग एक दशक पूर्व प्रारम्भ हो चुका है।

नकदी विहीन लेन–देन के माध्यम –

- चैक या ड्राफ्ट द्वारा भुगतान
- इंटरनेट बैंकिंग द्वारा भुगतान
- स्वाइप मशीन द्वारा भुगतान
- ए.टी.एम. मशीन द्वारा भुगतान
- मोबाइल ऐप द्वारा भुगतान
- **USSD** तकनीक द्वारा
- **MICRO ATM's** के द्वारा

डिजिटल लेनदेन

1. *चैक या ड्राफ्ट द्वारा भुगतान :* नकदी विहीन भुगतान का सबसे सरल तरीका चैक या ड्राफ्ट के द्वारा किया गया भुगतान है।

इसमें क्रेता (खरीदार) अपने बैंक खाते पर जारी चैक बुक अपने पास रखता है और किसी भी सौदे का भुगतान कभी भी कहीं भी चैक द्वारा विक्रेता को आसानी से कर सकता है। इसी प्रकार बड़े सौदों के लिए ड्राफ्ट का प्रयोग किया जाता है। यह बैंक में जाकर अपने खाते से विक्रेता के पक्ष में बनवाया जाता है। उपर्युक्त दोनों ही तरीकों में इंटरनेट की आवश्यकता नहीं होती।

2. *इंटरनेट बैंकिंग द्वारा भुगतान–* नकद विहीन लेन–देन का दूसरा प्रमुख माध्यम इंटरनेट बैंकिंग है जिसके द्वारा ग्राहक विक्रेता से घर बैठे ऑनलाइन अनेक कंपनियों एवं सेवाएं खरीद सकता है। इस प्रकार हम बिना नकद भुगतान किये घर बैठे वस्तुएँ खरीद सकते हैं। रेल टिकट, हवाई टिकट, फिल्म टिकट आदि सेवाओं के लिए शुल्क भुगतान आसानी से इंटरनेट बैंकिंग द्वारा किया जा सकता है। यह अत्यन्त सरल और सुविधाजनक तरीका माना जाता है। ऑनलाइन शॉपिंग के अन्तर्गत किसी भी प्रकार की वस्तु या सेवा का घर बैठे क्रय आदेश दिया जा सकता है।

3. *स्वाइप मशीन द्वारा भुगतान –* अनेक व्यापारिक बैंक प्रतिष्ठित फर्मों को उनके चालु खातों पर स्वाइप मशीन उपलब्ध कराती हैं। इस मशीन के द्वारा विक्रेता फर्म अपने ग्राहकों से वस्तु या सेवा के बदले भुगतान प्राप्त करते हैं। भुगतान की गई राशि सीधे फर्म के खाते में स्थानान्तरित हो जाती है। ग्राहक इस सेवा का लाभ उठाने के लिए क्रेडिट व डेबिट कम ए.टी.एम. कार्ड का उपयोग करते हैं। प्रत्येक क्रेता इसका सफलता से उपयोग कर कर सकता है।

स्वाइप मशीन

4. ए.टी.एम. मशीन द्वारा भुगतान– नकद विहीन भुगतान के अन्तर्गत क्रेता अपने ए.टी.एम. कार्ड से विक्रेता के खाते में सीधे राशि स्थानान्तरित कर सकता है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए क्रेता व विक्रेता दोनों का ही खाता एक ही बैंक में होना चाहिए। बैंक का IFSC कोड की भी जानकारी होना आवश्यक है। अतः यह एक सीमित सुविधा है।

एटीएम मशीन

5. मोबाइल एप द्वारा– वर्तमान दौर में मोबाइल का प्रचलन बहुत अधिक बढ़ा है। स्मार्ट फोन में विभिन्न एप के माध्यम से नकद विहीन लेन–देन सरलता से किया जाता है। नकद विहीन लेन–देन के लिए अनेक बैंकों ने e-wallet ऐप जारी किए हैं। इसी प्रकार अनेक देशी एवं विदेशी कम्पनियाँ भी इस प्रकार के एप एन्ड्रॉयड फोन लेकर आई हैं। ऐसी एप गूगल प्ले स्टोर से निशुल्क डाउनलोड की जा सकती है। ग्राहक अपने ATM कार्ड से अथवा इण्टरनेट बैंकिंग e-wallet खाते में राशि स्थानान्तरित कर सकता है। e-wallet की सहयाता से हम अनेक बिलों का भुगतान घर बैठे आसानी से कर सकते हैं। हाल ही में भारत सरकार द्वारा ऐसी ही *'भीम ऐप'* **(BHIM-Bharat Interface for Money)**जारी की गई है। प्रधानमंत्री जी ने डिजिटल लेनदेन के प्रति भरोसा कायम रखने के लिये यह सरकारी ऐप जारी किया है। इस ऐप को भारत के संविधान निर्माता और आर्थिक एवं सामाजिक चिन्तक डॉ. भीमराव अम्बेडकर के नाम पर समर्पित किया गया है। यह ऐप लगभग सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों एवं कुछ निजी बैंकों से भी संबंधित है। अतः आसानी से लोग इस ऐप का उपयोग सरल डिजीटल लेनदेन के माध्यम के रूप में कर सकते हैं।

Welcome to
Bharat Interface for Money
BHIM
BHARAT INTERFACE FOR MONEY
भारत इन्टर्फेस फॉर मनी एप्प

6. **USSD** तकनीक द्वारा–Unstructured Supplementary Service Data तकनीक के द्वारा

हम बिना स्मार्ट फोन तथा इण्टरनेट सुविधा के एक साधारण मोबाईल से भी इसका उपयोग कर सकते हैं। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए व्यक्ति को अपने मोबाइल से *99# डायल करके अपने बैंक के पहले तीन अक्षर या IFSC कोड के पहले चार अक्षर दर्ज कराने होते हैं। जरूरी जानकारी दर्ज करने के पश्चात आपको MMID और MPIN प्राप्त होते हैं। किसी भी व्यक्ति को भुगतान करने के लिए उसके मोबाइल नम्बर और MMID नम्बर/कोड पता होने चाहिए तथा भुगतान सुनिश्चित करने के लिए अपने MPIN (गोपनीय) दर्ज करने पड़ते हैं। अतः यह एक सरल और सबसे सहज नकद विहीन लेन–देन का माध्यम है।

7. **MICRO ATM's** *के द्वारा–* इसी प्रकार AADHAR Enabled Payment System (AEPS) के द्वारा भी हम अपने आधार कार्ड के द्वारा POS (Micro ATM's) मशीन पर अंगुलियों के स्कैन करा कर भुगतान कर सकते हैं। इसके लिए हमारा बैंक खाता आधार नम्बरों से जुड़ा होना आवश्यक है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए आपको अपने आधार नम्बर तथा बैंक खाता संख्या पता होनी चाहिए।

नकद विहीन लेन देन की उपयोगिता –

देश के आर्थिक सौदों में नकद का अधिक प्रचलन जहाँ एक और कालाबजारी और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है वहीं दूसरी ओर नोट निर्गमन प्रणाली पर भारी दबाव बनाता है। अधिक मात्रा में नकदी सौदों से बैंकों पर भी प्रत्यक्ष ओर परोक्ष रूप से भार पड़ता है, जिससे बैंकिंग सुविधाएँ अंतिम व्यक्ति तक सहज एवं सुचारू रूप से नहीं पहुँच पाती हैं।

अतः नकद विहीन लेन देन जहाँ एक ओर समय की माँग है वहीं अर्थव्यवस्था में सुविधायुक्त एवं सुरक्षित लेन–देन के लिए भी आवश्यक मानी जाने लगी है। वर्तमान समय में यह एक बेहतर विकल्प प्रस्तुत करता है।

नकद विहीन लेन–देन के लाभ –

अर्थव्यवस्था में बढ़ते हुए आर्थिक लेन–देन को देखते हुए नकदी विहीन लेन–देन एक सरल एवं सुविधाजनक विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। आर्थिक और सामाजिक दृष्टिकोण से इसके कुछ महत्वपूर्ण लाभ इस प्रकार है –

1. *समय व धन की बचत :* नकदी विहीन लेन देन का सबसे बड़ा फायदा ग्राहक वर्ग को है। अनेक प्रकार के बिल, काउन्टर पर जाकर जमा कराने होते हैं जिससे आने–जाने में समय व धन व्यर्थ होता है। आजकल ऑनलाइन बाजार खरीद पर उपभोक्ताओं को विशेष छूट भी प्रदान की जाती है। इस प्रकार उपभोक्ता नकदी विहीन माध्यम से कोई भी विकल्प चुनकर अपने समय और धन की बचत कर सकता है।

2. *नकद रखने से छुटकारा :* अनेक अवसरों पर बड़ी खरीददारी करने के लिए अधिक मात्रा में नकद अपने पर्स या जेबों में इधर–उधर ले जाना पड़ता है जो कि असुविधाजनक एवं असुरक्षित होता है। ऐसे में नकदी विहीन लेन देन का माध्यम अपनाने से अधिक मात्रा में नकद रखने से छुटकारा मिलता है। अतः नकदी विहीन लेन देन सुविधाजनक भी होता है।

3. *बैंकों पर दबाव में कमी :* अर्थव्यवस्था में लोगों द्वारा अधिक से अधिक नकदी विहीन लेन देन की आदत अपनाने से बैंकों पर अनावश्यक दबाव में कमी आती है। लोग बार–बार बैंकों में नकदी मांग के लिए जाते हैं। इसके अलावा बैंकों को नकदी का हिसाब–किताब कम रखना पड़ता है। बैंकों के खाते कम्प्यूटरीकृत होने से खातों में पैसा स्वतः ही खाताधारकों द्वारा खर्च और जमा होता रहता है। बैंक कर्मियों को कार्य करने में सुविधा होती है जिससे वे अपने ग्राहकों का और भी बेहतर सुविधा प्रदान कर पाते हैं।

4. *राजस्व में वृद्धि :* नकद विहीन लेन देन का एक लाभ यह भी है कि क्रेता द्वारा भुगतान की गई राशि सीधे विक्रेता के चालू खाते में जमा होती है जिससे उसकी आय का सटीक अनुमान लगाना संभव हो पाता है। इससे सरकार का कर राजस्व का दायरा बढ़ता है और सरकार को करों से प्राप्त आय में वृद्धि होती है।

5. *कालाबाजारी में कमी :* बाजार में होने वाले आर्थिक सौदे यदि नकद विहीन होने लगे तो सरकार के लिए यह पता लगाना आसान हो जाता है कि किस व्यापारी ने कब और कितना माल खरीदा है इससे किसी आवश्यक सामाग्री को कालाबजारी के उद्देश्य से संग्रह करने पर पाबंदी लगेगी। व्यापारी बाजार में वस्तुओं का कृत्रिम अभाव बनाकर लोगों से मुनाफाखोरी नहीं कर सकते।

6. *अवैध कार्यों पर लगाम :* अर्थव्यवस्था में अनेक ऐसे आर्थिक लेन देन होते हैं जो सट्टे के उद्देश्य से सम्पादित किये जाते हैं किन्तु सरकार की नजरों से बच जाते हैं। इस प्रकार के अवैध कार्यों में प्रमुखतः जमीन के सौदे एवं रियल एस्टेट में जमीनों की बिक्री हैं। अधिक

मूल्य को कम दिखाकर या कम मूल्य को अधिक दिखाकर नकद में लेन देन किए जाते हैं। इससे सरकार को भारी राजस्व हानि होती हैं। अतः नकद विहीन लेन–देन अवैध कार्यों की रोकथाम के लिए कारगार साबित होता है।

नकदी विहीन लेन–देन की सीमाएँ –

जहाँ एक ओर नकदी विहीन लेन–देन से अनेक आर्थिक व सामाजिक लाभ हैं वहीं इस लागू करने में कुछ कठिनाइयाँ व सीमाएँ भी हैं जो इस प्रकार है –

1. अशिक्षित वर्ग को कठिनाई : नकद विहीन अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने में सबसे बड़ी बाधा देश में कम पढ़े लिखे व अशिक्षित लोगों का एक बड़ा वर्ग है जो इसके लाभ को सीमित कर देता है। कम पढ़े लिखे लोग नकद विहीन लेन देन तरीकों से बचने का प्रयास करते हैं।
2. बैंकिंग आदतों में कमी : विकासशील देशों की एक महत्वपूर्ण आर्थिक समस्या यह है कि लोगों की बैंकिंग आदतों में रूचि कम पायी जाती है। भारत जैसे विशाल देश में प्रधानमंत्री जन धन खाता योजना के अंतर्गत करोड़ों लोगों के बैंकों में निशुल्क खाते खोले गए किन्तु लोग इनका सुचारू उपयोग नहीं करते। अतएव बैंकिंग आदतों का न होना भी नकदी विहीन लेन देन में बाधक बनता है।
3. धोखाधड़ी की आशंका : धोखाधडी की आशंका के कारण लोग नकद विहीन लेन–देन से बचने का प्रयास करते हैं। यदि वे अपना गुप्त पासवर्ड सुरक्षित रखें तो ऐसा होना लगभग असंभव है। ऐसी अधिकतर धोखाधड़ी लापरवाही या अज्ञानतावश ही होती है।
4. अनेक सौदों में अनुपयोगी : अर्थव्यवस्था में कुछ ऐसे सौदे होते हैं जिनमें नकद विहीन लेन–देन लगभग अनुपयोगी साबित होता है जैसे छोटे व्यवसाय करने वाले कामगार, मोची, धोबी, प्रेस, सब्जी वाला, दूध वाला, दिहाड़ी मजदूर, मिस्त्री, सफाई कर्मी आदि नकद भुगतान को ही महत्व देते हैं। अल्प राशि के कारण उन्हें नकद लेना आसान लगता है।
5. बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार सीमित : बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सीमित बैंकिंग सुविधा भी नकदी विहीन लेन देन की दिशा में एक बड़ी बाधा का कार्य करती है। भारत जैसे बड़े देश में अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाएँ पर्याप्त रूप से नहीं पहुँच पाई हैं । ऐसे में पर्याप्त बैंकिंग सुविधाओं के अभाव में नकदी विहीन लेन–देन केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित होकर रह जाएगा।
6. *सायबर अपराधों पर रोकथाम हेतु प्रभावी कानून की कमी :* भारतीय परिवेश में आज भी नकदी विहीन लेन–देन करने वाले ग्राहकों के अधिकारों को संरक्षण प्रदान करने वाले कानूनों का अभाव है। नकदी विहीन लेन–देन के दौरान किसी भी प्रकार के धोखाधड़ी होने पर त्वरित रोकथाम एवं कार्यवाही हेतु प्रभावी कानून के अभाव में सालों तक लोगों को वर्षों तक आर्थिक क्षति उठानी पड़ती है।

उपरोक्त सीमाओं के बावजूद भी अर्थव्यवस्था में नकदी विहीन लेन–देन के महत्व को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थों में नकदी विहीन लेन–देन समय की मांग भी है और आवश्यकता भी।

डिजिटल लेन–देन के दौरान सावधानियाँ

- ATM कम डेबिट कार्ड के इस्तेमाल को लेकर बैंक से आने वाले संदेश अथवा पूछताछ में अपने गुप्त विवरण उजागर नहीं करने चाहिए। बैंक कभी भी आपका गुप्त PIN नम्बर नहीं पूछते हैं।
- किसी भी प्रकार की पूछताछ संदिग्ध लगने पर तुरन्त अपने बैंक से संपर्क करना चाहिए।
- अपने गुप्त नम्बर (PIN) को क्रेडिट/डेबिट कार्ड के साथ लिखकर कभी करना चाहिए।
- अपने ATM कार्ड को SWIPE मशीन पर प्रयोग करते समय गोपनीयता बनाए रखनी चाहिए।
- मोबाइल एप का ऑफिशियल सोर्स देखकर ही इस्तेमाल करना चाहिए।
- नेट बैंकिंग उपयोग करते समय अपने अकाउंट स्टेटमैंट पर नियमित नजर रखना और समय–समय पर अपना पासवर्ड बदलते रहना चाहिए।
- अपना मोबाइल इस्तेमाल करने के लिए अन्जान व्यक्ति को न दें अन्यथा वह OTP पासवर्ड का प्रयोग कर आपके खाते से डिजिटल लेन–देन कर सकता है।
- खाते में रजिस्टर्ड मोबाइल नं. को कभी न बदलना चाहिए क्योंकि उसी पर आपके लेन–देन संबंधी तथा OTP संदेश प्राप्त होते हैं।

भारत के सन्दर्भ में नकद विहीन लेन–देन की प्रासंगिकता –

वर्तमान सरकार द्वारा 9 नवंबर 2016 को विमुद्रीकरण का प्रयोग करते हुए अर्थव्यवस्था से 500 व 1000 रूपये के नोटों को

चलन में अवैध घोषित कर दिया गया। लोगों के पास नकदी में रखे उक्त नोटों को बैंक खातों में जमा कराकर उसके बदले 500 और 2000 के नए नोट जारी किए गए। ऐसे में कुछ समय के लिए बाजार में कम नकदी के चलते आम लोगों व व्यापारियों को थोड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सरकार ने लोगों को नकदी विहीन लेन–देन के लिए प्रोत्साहित किया। इतने बड़े अर्थतंत्र में निश्चित तौर पर नकद रूप में मुद्रा की छपाई से लेकर उसके प्रबंधन तक में करोड़ों रूपये का खर्च सरकार को वहन करना पड़ता है। ऐसे में डिजिटल लेन–देन अथवा नकद विहीन लेन–देन को एक बेहतर रूप में देखा जाने लगा। निजी कम्पनियों द्वारा इस प्रकार के लेन–देन पर कैशबैक ऑफर भी दिए जाते हैं। सरकार भी इसे प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता के साथ–साथ विशेष छूट के अवसर उपलब्ध करा रही है। सरकार ने विमुद्रीकरण के पश्चात डिजिटल लेन देन को बढ़ावा देने और नकदी विहीन लेन–देन को लोकप्रिय बनाने के लिए 94 करोड़ रुपये के विज्ञापन प्रसारित किए हैं। अतः डिजिटल लेन–देन एक ओर सरल और सुविधाजनक माध्यम है वहीं दूसरी ओर तेजी से उभरती भारतीय अर्थव्यवस्था की जरुरत भी है।

महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

- नकदी विहीन लेन–देन से ही इसका सरल अर्थ लगाया जा सकता है – बिना नकद के आर्थिक लेन–देन।
- यह लेन–देन क्रेडिट कार्ड, एटीएम कम डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग तथा चैक आदि के द्वारा किया जा सकता है।
- ई–कॉमर्स या ई–व्यवसाय व्यापार की एक उन्नत और नवीन तकनीक है, जिसमें इंटरनेट के माध्यम से व्यापार का संचालन किया जाता है।
- नकदी विहीन भुगतान का सबसे सरल तरीका चैक या ड्राफ्ट के द्वारा किया गया भुगतान है।
- e-wallet की सहयाता से हम अनेक बिलों का भुगतान घर बैठे आसानी से कर सकते हैं। हाल ही में भारत सरकार द्वारा ऐसी ही *'भीम ऐप'* जारी की गई है।
- Unstructured Supplementary Service Data तकनीक के द्वारा हम बिना स्मार्ट फोन तथा इण्टरनेट सुविधा के एक साधारण मोबाइल से भी इसका उपयोग कर सकते हैं।
- AADHAR Enabled Payment System (AEPS) के द्वारा भी हम POS (Micro ATM's) मशीन पर अपनी अंगुलियों के स्कैन करा कर भुगतान कर सकते हैं।
- नकद विहीन लेन–देन अवैध कार्यों की रोकथाम के लिए कारगार साबित होता है।
- नकद विहीन लेन–देन से कालाबजारी के उद्देश्य से वस्तुओं का संग्रह करने पर पाबंदी लगती है।
- हाल ही में भारत सरकार ने काला बजारी और नकली नोटों की रोकथाम हेतु विमुद्रीकरण के तहत 500 व 1000 रूपये के नोटों को चलन में अवैध घोषित किया।
- सरकार भी डिजिटल लेन–देन को प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता के साथ–साथ विशेष छूट के अवसर उपलब्ध करा रही है।

अभ्यासार्थ प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न :

1. समय और धन की बचत संभव है –
   (अ) वस्तु विनियम प्रणाली में
   (ब) मौद्रिक प्रणाली में
   (स) नकद लेन देन में
   (द) नकदी विहीन लेन देन में।

2. निम्न में से नकदी विहीन लेन–देन कहा जाएगा –
   (अ) नकद भुगतान
   (ब) चैक से भुगतान
   (स) केवल बड़े नोटों से भुगतान
   (द) केवल सिक्कों से भुगतान।

3. बैंक ऑनलाइन भुगतान में किस तकनीक का प्रयोग नहीं करते –
   (अ) NTGS
   (ब) NEFT
   (स) RTGS
   (द) IMPS

4. निम्न में से डिजिटल भुगतान की जिस विधि में इण्टरनेट सुविधा आवश्यक नहीं है, वह है–

(अ) इण्टरनेट बैंकिंग
(ब) E-wallet
(स) स्वाइप कार्ड
(द) USSD तकनीक।

5. भारत सरकार द्वारा जारी की गई डिजिटल पेमेंट ऐप का नाम है –
(अ) डिजिटल ऐप
(ब) भारत ऐप
(स) भीम ऐप
(द) पेमेंट ऐप।

6. निम्न में से कौन सा तरीका परम्परागत तरीके से नकदी विहीन भुगतान के लिए अपनाया जाता रहा है –
(अ) E-wallet
(ब) इण्टरनेट बैंकिंग
(स) चैक या ड्राफ्ट
(द) क्रेडिट / डेबिट कार्ड

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :

(1) नकदी विहीन भुगतान का अर्थ लिखिए।
(2) चैक बुक कहाँ से प्राप्त की जा सकती है?
(3) किसी भी प्रकार की मोबाइल ऐप कहाँ से डाउनलोड की जा सकती है?
(4) बैंक द्वारा ऑनलाइन भुगतान की कोई एक विधि का नाम लिखिए?
(5) भीम (BHIM) ऐप का विस्तृत नाम लिखिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

(1) नकदी विहीन लेन–देन के कोई चार माध्यम बताइए।
(2) नकदी विहीन लेन–देन की उपयोगिता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
(3) ई–कॉमर्स को परिभाषित कीजिए।
(4) डिजिटल लेन–देन में कौन–कौन सी सावधानियाँ रखना आवश्यक है।
(5) नकदी विहीन लेन–देन की कोई चार सीमाएं बताइए।

निबंधात्मक प्रश्न

(1) ई कॉमर्स व्यापार की तकनीक में डिजिटल भुगतान के तरीके किस प्रकार सहायक होते हैं?
(2) नकदी विहीन लेन–देन क्या है? इसके प्रमुख माध्यमों का विस्तार से वर्णन कीजिए।
(3) नकदी विहीन लेन–देन का अर्थ बताइये। इसके लाभों का विस्तार से वर्णन करते हुए इसकी सीमाएँ लिखिए।
(4) निम्न पर टिप्पणी लिखिए
(i) E-wallet
(ii) USSD
(iii) AEPS
(iv) NEFT

उत्तर तालिका

1	2	3	4	5	6
द	ब	अ	द	स	स